आज़ादी का अमृत महोत्सव

SLC (University of Delhi)

Shyam Lal College

श्याम लाल कॉलेज

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

NAAC A++

श्यामलाल महाविद्यालय की राजभाषा समिति ने राजभाषा का वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन श्यामलाल महाविद्यालय में दिनांक 09.05.2025 को किया । इस कार्यक्रम में हिंदी के प्रयोग के लिए निर्धारित लक्ष्य एवं मुख्य बातों का उल्लेख किया गया जिसमें हिंदी में मूल पत्राचार, हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना, हिंदी में टिप्पण हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम, हिंदी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशु लिपिक की भर्ती, हिंदी में डिक्टेशन, हिंदी प्रशिक्षण, प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना, हिंदी पुस्तकों के खरीद पर किया गया व्यय 50 प्रतिशत, हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में काम करने की सुविधा युक्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जिसमें कंप्यूटर भी शामिल है की खरीद, वेबसाइट द्विभाषिक हो ।

इस वार्षिक कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया के उपरोक्त निर्धारित लक्षण मुख्य बातों को कार्यालय में उपयोग को सुनिश्चित किया जाए ।

गृह मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुसार राजभाषा हिंदी का प्रयोग सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक होना चाहिए इसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए श्यामलाल महाविद्यालय की राजभाषा समिति ने वर्ष भर अनेक सफल कार्यक्रमों को आयोजन किया वर्ष 2024 25 में समिति ने तीन कार्यशालाओं का आयोजन किया । प्रथम कार्यशाला दिनांक 10.09.24 जिसका विषय था "राजभाषा की संवैधानिक स्थिति और कार्यान्वयन" जिसमें डॉक्टर प्रभात शर्मा जी ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए राजभाषा हिंदी के लिए वर्तमान में किया जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया और इस बात पर जोर दिया कि सभी प्रशासनिक कार्य अपनी राजभाषा हिंदी में हो और यही तरक्की और विकास की भाषा है ।

द्वितीय कार्यशाला दिनांक 28. 11. 24 को "राजभाषा नीति एवं उसका कार्यान्वयन" में विषय पर आयोजित की गई जिसमें मुख्य वक्ता श्री जगदीश राम पौड़ी थे उन्होंने यह बताया कि सरकारी कामकाज में हिंदी का आधिकारिक प्रयोग हो । उन्होंने यह भी बताया कि यह हम सभी का संवैधानिक दायित्व है की हम सभी सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करें इससे राजभाषा नीति के अनुपालन में गति आएगी ।

तृतीय कार्यशाला दिनांक 26.3.25 को की गई जिसका विषय कार्यालय में राजभाषा का प्रयोग- हिंदी टंकण टिप्पण एवं पत्र लेखन था ।उसके मुख्य वक्ता के रूप में श्री केवल कृष्ण जी ने अपने विचार रखें । उन्होंने विभिन्न आईटी टूल्स का वर्णन किया । केवल कृष्ण जी ने **कंठस्थ 2.0,** लीला ,अनुवादानी ,भाषिनी का कैसे प्रयोग किया जाए इसका प्रशिक्षण सभी सदस्यों को दिया । इस कार्यशाला के दौरान यह पता चला कि हम आईटी टूल्स की सहायता से कैसे हिंदी में अनुवाद कर सकते हैं ।

इस वर्ष राजभाषा समिति ने सभी गैर शिक्षक कर्मचारियों की गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए एक प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें प्रशासनिक शब्दावली वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए इस प्रतियोगिता को रखा गया और विजेताओं को नगद पुरस्कार व सर्टिफिकेट दिए गए ।

समिति ने यह भी तय किया कि प्रतिवर्ष जो गैर शैक्षणिक कर्मचारी राजभाषा हिंदी के विकास के लिए सर्वश्रेष्ठ योगदान करेंगे करेगा उसे "श्यामलाल राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कार" दिया जाएगा । पुरस्कार जो होगा वह नकद राशि, प्रमाण पत्र के रूप में होगा ।

पूरे वर्ष राजभाषा समिति ने 8 बैठकें प्राचार्य के सानिध्य में हुई जिसमें समिति ने महाविद्यालय में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए अलग-अलग विभाग एवं प्रशासनिक कार्यालय के हिंदी भाषा के प्रयोग की समीक्षा की और समय-समय पर अपने सुझाव प्रस्तुत किया जो निम्नलिखित है सभी प्रोस्पेक्टस, सूचना बुलेटिन, सूचना पट्ट, रबर की मोहर, नाम पट्ट, पत्र शीर्ष, फाइल कवर, विद्यार्थियों, कर्मचारियों के पहचान पत्र, निमंत्रण पत्र ,पुस्तकालय कार्ड लिफाफे पर इत्यादि द्विभाषी रूप में मुदित किया जाए ।

राजभाषा अधिनियम के अंतर्गत जारी होने वाले कागजात सामान्य आदेश, आदेश ज्ञापन, संकल्प, अधिसूचनाएं, नियम, करार, संविदा, निविदा सूचनाएँ, संसदीय प्रश्न, प्रशासनिक रिपोर्ट, अन्य रिपोर्ट, प्रेस विज्ञप्तियाँ , अनुज्ञा-पत्र और निविदा के प्रकार, इत्यादि आवश्यक रूप से द्विभाषी हिंदी तथा अंग्रेजी में होने चाहिए । कार्यालय में उपलब्ध सभी कंप्यूटर पर यूनिकोड की सहायता से हिंदी में टंकण कार्य किया जाए । सेवा पुस्तिकाओं में प्रविष्टियां हिंदी में की जाए । अच्छे प्रकार के रजिस्टर आदि के शीर्षक तथा महाविद्यालय की वेबसाइट अनिवार्य रूप से द्विभाषी हिंदी व अंग्रेजी हो , हिंदी पुस्तकों की खरीद पर 50% राशि हिंदी पुस्तकों की खरीद पर खर्च की जाए ।

इसके अलावा हिंदी अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस जो की 21.2.25 को था । राजभाषा समिति ने इसका भी आयोजन किया जिसका विषय लोक भाषाएँ और हिंदी था । इसमें वक्ता के रूप में डॉक्टर सत्य प्रिया पांडे जी, डॉक्टर विनोद कुमार- वाणिज्य विभाग, डॉक्टर जसवीर सिंह - वाणिज्य विभाग, डॉक्टर राजकुमार जी हिंदी विभाग, डॉक्टर रमेश बर्नवाल- हिंदी विभाग डॉक्टर, समरेंद्र जी ने अपनी अपनी भाषा में भाषा के महत्व को समझाया ।

NAAC A++

श्यामलाल महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिन्दी विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

द्वारा आयोजित

एक दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम

9 मई, 2025

कार्यक्रम विवरण

1. राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयनः संसदीय समिति द्वारा दी गई प्रश्नावली
2. राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन के लिए आइ. टी. टूल्स का प्रयोग
3. राजभाषा हिन्दी हस्ताक्षर अभियान

वक्ता

श्री विजय शर्मा
सहा. निदेशक (सेवा निवृत्त)
केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो

श्री जगदीश राम पौरी
पूर्व निदेशक, राजभाषा
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

समय : 10:00 बजे

स्थानः बोर्ड रूम

डॉ. वी.के. वाजपेयी
संयोजक, राजभाषा कार्यान्यवन समिति श्यामलाल महाविद्यालय

डॉ. सत्यप्रिय पाण्डेय
प्रभारी, हिन्दी विभाग
श्यामलाल महाविद्यालय

प्रो. कुशा तिवारी
निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

प्रो. रबी नारायण कर
प्राचार्य
श्यामलाल महाविद्यालय

डॉ. प्रभात शर्मा, डॉ. अवनीश मिश्रा, डॉ. सुमन, डॉ. निधि मिश्रा
डॉ. रमेश कुमार बर्णवाल, डॉ. हनुमंत लाल मीणा, रश्मिता साहू

आंतरिक गुणवत्ता
द्वारा आयोजित
एक दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम
9 मई, 2025
कार्यक्रम विवरण
1. राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन संसदीय समिति द्वारा दी गई प्रश्नावली
2. राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन के लिए आइ. टी. टूल्स का प्रयोग
3. राजभाषा हिन्दी हस्ताक्षर अभियान
वक्ता
श्री विजय शर्मा
सह निदेशक (सेवा निवृत्त)
केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो
श्री जगदीश राम पौरी
पूर्व निदेशक, राजभाषा
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
10:00 बजे
स्थान: बोर्ड रूम
प्रो. रवी नारायण कर
प्राचार्य
श्यामलाल महाविद्यालय

श्यामलाल महाविद्यालय
NAAC A++
राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिन्दी विभाग एवं
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
द्वारा आयोजित
एक दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम
9 मई, 2025
कार्यक्रम विवरण
1. राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन संसदीय समिति द्वारा दी गई प्रश्नावली
2. राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन के लिए आइ. टी. टूल्स का प्रयोग
3. राजभाषा हिन्दी हस्ताक्षर अभियान
वक्ता
श्री विजय शर्मा
सह निदेशक (सेवा निवृत्त)
केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो
श्री जगदीश राम पौरी
पूर्व निदेशक, राजभाषा
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
स्थान: बोर्ड रूम
प्रो. कुशा तिवारी
निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
प्रो. रवी नारायण कर
प्राचार्य
श्यामलाल महाविद्यालय

NAAC A++
राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिन्दी विभाग एवं
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
द्वारा आयोजित
एक दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम
9 मई, 2025
कार्यक्रम विवरण
1. राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन संसदीय समिति द्वारा दी गई प्रश्नावली
2. राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन के लिए आइ. टी. टूल्स का प्रयोग
3. राजभाषा हिन्दी हस्ताक्षर अभियान
वक्ता
श्री विजय शर्मा
सह निदेशक (सेवा निवृत्त)
केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो
श्री जगदीश राम पौरी
पूर्व निदेशक, राजभाषा
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
समय : 10:00 बजे
स्थान: बोर्ड रूम
प्रो. कुशा तिवारी
निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
प्रो. रवी नारायण कर
प्राचार्य
श्यामलाल महाविद्यालय

समय : 10:00 बजे
स्थानः बोर्ड रूम
प्रो. रबी नारायण कर
प्राचार्य
श्यामलाल महाविद्यालय

श्यामलाल महाविद्यालय
राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिन्दी विभाग एवं
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
द्वारा आयोजित
एक दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम
आज से मैं यह संकल्प लेता हूँ/लेती हूँ कि मैं अपने हस्ताक्षर
NAAC A++

श्यामलाल महाविद्यालय
राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हिन्दी विभाग एवं
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
द्वारा आयोजित
एक दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम
आज से मैं यह संकल्प लेता हूँ/लेती हूँ कि मैं अपने हस्ताक्षर
NAAC A++